॥ हरि तेरो अजब निरालो काम भजन ॥

Chalisamantras.com

ओ हरि तेरो अजब निरालो काम,
अजब निरालो काम ।
शावरीया तेरो अजब निरालो काम,
सुख में सिमरन कोई नहीं करता,
दुःख में रेट तमाम ।
ओ हरि तेरो..

माया धन की बांध पोटली,
करता गरभ गुमान ।
आ माया अंत काम ना आवे,
नही जाणे अज्ञान ।
हरि तेरो..

मालीक मेरा सब कुछ तेरा,
क्यो भुला इन्सान ।
तेरा तुमसे पाकर के नर,
बण बेठा धनवान ।
हरि तेरो..

नर तन चोला पाकर भुला,
रटयो नही भगवान् ।
क्या करता क्या करदे मालीक,
नही जाणे अज्ञान ।
हरि तेरो..

एक दिन माटी मे मील जावे,
हाड मास और चाम ।

Chalisamantras.com

जुटी काया जुटी माया,
साचो है तेरो नाम ।
ओ हरि तेरो अजब निरालो काम,
अजब निरालो काम ।

Chalisamantras.com

Chalisamantras.com